VISION IAS

www.visionias.in

25 DEC 2020

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1420)

Name of Candidate	Vipin Kumar Dwivedi		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	35567
Center	MN	Date	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION – A

1. **(a)** Man is not only a product of his environment but can also modify the environment. Do you agree with this view? Justify your answer with suitable examples. **(150 words) 10**

मनुष्य न केवल अपने परिवेश का उत्पाद है, बल्कि वह परिवेश को रूपांतरित भी कर सकता है। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें।

"मनुष्य भोक्ता नहीं कर्ता भी है"

मनुष्य परिवेश का उत्पाद होने के साथ ही परिवेश को सक्रिय भागीदारी के माध्यम से परिवर्तित भी करता है।

जैसे:-

- मनुष्य प्रकृति के परिवेश में अपना विकास करके प्रकृति में रूपांतरण करता है जैसे – मनुष्य द्वारा संसाधनों का दोहन, नदियों को रोककर बांधों का निर्माण
- अंग्रेजी शासन के दौरान अंग्रेजी शिक्षा के प्रचार प्रसार से भारतीय बुद्धिजीवियों का उदय बाद उन्होंने उसी परिवेश को परिवर्तित किया जिसमें उदय
- अंबेडकर ने बचपन से जातिगत भेदभाव का सामना किया इसी क्रम में उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता का विकास किया आगे संविधान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निर्माण आंदोलन आदि के माध्यम से उसी परिवेश में परिवर्तन

- गांधी जी का स्वतंत्रता आंदोलन के नेतृत्वकर्ता का स्वरूप अफ्रीका में अंग्रेजों की नीतियों के प्रतिक्रिया का स्वरूप बाद में सविनय अवज्ञा, असहयोग आंदोलन आदि के माध्यम से उनमें परिवर्तन।
- रूसियों में पितृसत्तात्मक प्रतिक्रिया के फलस्वरूप स्वतंत्र चेतना का विकास बाद में उसी पितृसत्तात्मक विचार के विरोध में क्रांति (जैसे स्वाभिमान, स्वयं आदि संगठन)

अतः मनुष्य अपने उत्पादक परिवेश को अपनी बौद्धिकता और गतिशीलता से अपने अनुकूल बनाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Though it may seem that accountability and efficiency are antithetical to each other, accountability is a sine qua non for good governance. Discuss. **(150 words) 10**

हालांकि यह प्रतीत हो सकता है कि जवाबदेही और दक्षता एक-दूसरे के प्रतिपक्षी हैं, किंतु जवाबदेही सुशासन के लिए अपरिहार्य और आवश्यक है। विवेचना कीजिए।

नोलन समिति जवाबदेही को एक महत्वपूर्ण मूल्य मानती है, यह कामों के प्रति या अपने निर्णयों के प्रति जवाबदेही का मूल्य है जबकि दक्षता अत्यधिक उत्पादक परिणाम पर बल देती है।

जवाबदेही और दक्षता एक दूसरे के प्रतिपक्षी जैसे :-

- जवाबदेही से निर्णयों में देरी (संसदीय शासन प्रणाली)
- जवाबदेही किंकर्तव्यविमूढ़ता के प्रभाव द्वारा लोगों को हतोत्साहित (सिविल सेवक में जोखिम लेने की कमी)
- जवाबदेही से निर्णय में अधिक भागीदारों का सम्मिलित होना जो वैचारिक मतभेद पैदा करता है।
- जवाबदेही से करुणा, दया, जैसे मूल्य भी प्रभावित
- जवाबदेही से "लकीर का फकीर" होने की समस्या (छत्तीसगढ़ मोहन देने से मनाही

का मामला)

जवाबदेही सुशासन के लिये अपरिहार्य!

→ यह निर्णयों में शुचिता
→ नीतियों का लक्षित वर्ग तक जाना (जैसे सामाजिक अंकेक्षण से मनरेगा में लीकेज की कमी
→ यह विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग
→ शासन में जनभागीदारी का समावेशन (MyGov.com)
→ शासन को जनकेन्द्रित करके विकेन्द्रीकृत
→ निर्णयों में वस्तुनिष्ठता तथा ~~समावेशन~~ निष्पक्षता का समावेशन
→ राजनीतिक सांठ गांठ करके भ्रष्टाचार में कमी

जवाबदेही और दक्षता दोनों ही सुशासन के साधन हैं।

2. (a) Gandhian ideals can be of immense help in dealing with the Covid-19 pandemic. Evaluate. (150 words) 10

कोविड-19 महामारी से निपटने में गांधीवादी आदर्श अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकते हैं। मूल्यांकन कीजिए।

कोविड-19 जिसने वैश्विक स्तर पर विभिन्न समस्याओं को जन्म दिया। इस महामारी से निपटने में गांधीवादी आदर्श अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकता है।

जैसे:

- गांधी जी के अनुसार कोई भी निर्णय लेने में यह देखो की उसका प्रभाव अंतिम व्यक्ति पर कैसा होगा', इससे निर्णय की प्रभावकारीता बढ़ती है यह मत:-
  - → लाकडाउन के निर्णय को समावेशी बनाने में सहायक
  - → प्रवासियों, गरीबों आदि की समस्याओं को हल करने में उपयोगी
- गांधी जी दया और करूणा पर बल यह:-
  - → लाकडाउन के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न वितरण
  - → जरूरत मंदों को सहायता
  - → वंदे भारत जैसे आपरेशन

सर्वोदय और अन्त्योदय का सिद्धांत:-

→ सभी को मास्क, सैनेटाइजर की व्यवस्था।

→ स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति (जैसे बेड, ~~ऑक्सी~~ वेंटिलेटर, आदि)

→ सभी तक महामारी के बारे में जागरूकता (ट्विटर, TV, रिंगटोन आदि के माध्यम से)

→ वैक्सीन के निर्माण के बाद सभी तक पहुंच

साध्य और साधन की पवित्रता:-

→ सभी मनुष्यों को समान समझना (महामारी के प्रति सभी की रक्षा)

→ वैक्सीन के मामले में किसी को भी साधन न समझना।

अतः गांधी जी का सिद्धांत कोविड-19 कि ~~इस~~ समस्या को उचित हल देता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) While civil servants have the legal right to undertake post-retirement jobs, it raises key ethical issues. Comment. (150 words) 10

यद्यपि सिविल सेवकों को सेवानिवृत्ति के बाद नौकरी करने का विधिक अधिकार है, किंतु इससे महत्वपूर्ण नैतिक मुद्दे भी उत्पन्न होते हैं। टिप्पणी कीजिए।

सिविल सेवा आचरण नियमावली 1964 सिविल सेवकों को सेवानिवृत्ति के बाद नौकरी का अधिकार देती है।

संबंधित नैतिक मुद्दे:

- हित संघर्ष: सिविल सेवक विभिन्न विभागों की जानकारी रखते हैं इसलिए किसी विभाग में नौकरी करने से हित संघर्ष
- गोपनीयता का मुद्दा: सिविल सेवकों के पास कई ऐसी जानकारियां जिनका गोपनीय रखा जाना आवश्यक किंतु नौकरी करने से गोपनीयता भंग का खतरा
- राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जानकारियों का प्रकटीकरण
- संबंधित क्षेत्र को अतार्किक लाभ प्रदान कराना
- संगठन के लाभ के परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक हित प्रभावित होना
- वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता तथा गैरतरफदारी मूल्यों का क्षरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऐसे में निम्न उपाय किये जा सकते हैं,

- → सिविल सेवकों हेतु एक कूलिंग पीरियड
- → इन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में ही समायोजित करना
- → हितों का प्रकटन करने पर बल देना
- → औपनीय सूचनाओं के प्रकटीकरण या व्यक्तिगत स्वार्थों हेतु सार्वजनिक हितों को प्रभावित करने पर दंड का प्रावधान
- → सिविल सेवकों को नौकरी करने के संबंध में दिशा निर्देश का निर्माण उनके प्रति जागरूकता
- → सिविल सेवकों में आधारभूत मूल्यों का विकास (नीति संहिता, 2ndARC अनुशंसा, होता, किरण अग्रवाल आदि समिति)

सिविल सेवा लोक सेवा के आवश्यक अंग हैं अतः किसी भी स्थान पर सेवानिवृत्ति के बाद इनकी नौकरी को सार्वजनिक हित के साथ संतुलित होना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:
नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या अर्थ हैं:

(a) Try not to become a man of success but rather try to become a man of value. Albert Einstein **(150 words) 10**

सफल व्यक्ति बनने का प्रयास न करें, बल्कि मूल्यों के लिए जीने वाला व्यक्ति बनने का प्रयास करें। अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्यों आदर्शों की ओर अग्रसर कर नैतिकता को प्रोत्साहित करते हैं।

सफलता यदि मूल्यों से रहित होती है तो इसमें दक्षता और प्रभाविकता कम होती है जैसे साइबर अपराधी तकनीक में तो सफल किंतु इनका प्रयोग गलत कामों में।

मदर टेरेसा के अनुसार हमें महान नहीं बनना चाहिये अपितु छोटे छोटे महान कार्य करने चाहिये जिनसे हम नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ता प्राप्त होती है। जो व्यक्ति सफलता की बजाय मूल्यों पर बल देते हैं वो आगे महान भी बनते हैं जैसे (समाजसेवा करने वाले बाबा आम्टे, कैलाश सत्यार्थी आदि)

कभी-कभी मूल्यों का अभाव तथा सफलता की प्रीति भी असफलता की ओर ले जाती है जैसे :- कई सफल व्यक्तियों द्वारा आत्महत्या करना (कैफे कॉफी के MD का मामला) ।

मूल्यों से युक्त व्यक्ति :-

→ समाज को सकारात्मक सहयोग
→ यह मानवता के विकास में साधक
→ व्यक्ति करुणा, दया, सत्यनिष्ठा आदि से युक्त जिससे समाज और संगठन को सफल करने के साथ स्वयं को सफल (जैसे लाल बहादुर शास्त्री
→ व्यक्ति समावेशी तथा सामाजिक न्याय से युक्त समाज के निर्माण को प्रोत्साहित (ज्योतिबाराव फुले)

मूल्य उच्च नैतिक आदर्श है इनकी प्राप्ति जीवन को सफलता का मार्ग देती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Having knowledge of an unethical act and allowing it to continue can spread a contagion that can affect multiple beings in society. Bertrand Russell **(150 words) 10**

अनैतिक कार्य का ज्ञान होने और इसके बावजूद उसे जारी रहने देने से एक प्रकार का संक्रमण फैल सकता है जो समाज में अनेक व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है। बर्ट्रेंड रसेल

"लोभानि मूलानि पापाम"

किसी भी अनैतिक कार्य को अनैतिक ज्ञान होने पर भी कर देने पर यह संक्रमण के समान संचारित हो समाज में अपना प्रभाव छोड़ता है।

जैसे:

> यह जानते हुये भी कन्या भ्रूण हत्या अनैतिक है भारत के कई बड़े राज्यों में इसे जारी रखा गया जिसका प्रभाव लिंगानुपात में भारी गिरावट रहा।

> अनैतिक कार्य के रूप में प्रकृति का अंधाधुंध दोहन जारी रहा जिसका परिणाम जलवायु और अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदायें रही (प्रकृति रक्षति रक्षित:)

> धार्मिक कुरीतियों, जातिगत भेदभाव, खाप पंचायतों के अनैतिक निर्णयों को जारी रखा गया जिसका परिणाम समाज में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक अपवर्जन, आनर किलिंग, माब ली लिंचिंग तथा असहिष्णुता रही।

• शीत युद्ध के दौरान परमाणु हथियारों की होड़ को जारी रखा गया जिसका परिणाम आज विश्व खतरनाक परमाणु हथियारों की चपेट में है

• कई देशों द्वारा अन्य देशों पर हस्तक्षेप करके राजनीतिक हस्तक्षेप को बढ़ाया गया जिसका परिणाम संघर्ष तथा हिंसा रहा (जैसे पश्चिम एशिया)

• कुछ देशों द्वारा दूसरे देशों के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित किया गया जिसका परिणाम विश्व में आज आतंकवाद की समस्या है (जैसे पाकिस्तान)

अतः अनैतिक कार्यों के पर समय पर ही पाबंदी इसके नकारात्मक प्रभाव से व्यक्तियों और समाज को बचा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** When people use a common resource without a coordinated plan the result is often a tragedy of the commons in which the resource is depleted. In this context, discuss the various ethical challenges arising out of utilization of Global Commons. **(150 words) 10**

जब लोग समन्वित योजना के बिना किसी सर्वनिष्ठ संसाधन का उपयोग करते हैं, तो इसके परिणामस्वरुप प्राय: ट्रैजेडी ऑफ कॉमन्स घटित होती है जिसमें संसाधन का अवक्षय हो जाता है। इस संदर्भ में, वैश्विक सर्वनिष्ठ संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न विभिन्न नैतिक चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

"अति सर्वत्र वर्जयेत"

"गांधी जी के अनुसार प्रकृति में सबकी आवश्यकताओं को पूर्ण करने की क्षमता विद्यमान है किन्तु किसी एक के भी लालच की नहीं"

सर्वनिष्ठ संसाधनों के उपभोग से उत्पन्न विभिन्न नैतिक चुनौतियां:-

- संसाधनों का असमान उपभोग (जैसे विकसित देशों द्वारा कम विकसित देशों से अधिक उपभोग)
- असंतुलित दोहन कई चुनौतियां लाता है जैसे
  - वैश्विक तापन
  - जलवायु परिवर्तन
  - स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं
  - कृषि उत्पादकता में ह्रास
  - प्राकृतिक आपदाएं
  - जलवायु शरणार्थी
- संसाधनों को लेकर राष्ट्रों के मध्य संघर्ष समस्या (जैसे दक्षिण चीन सागर)।

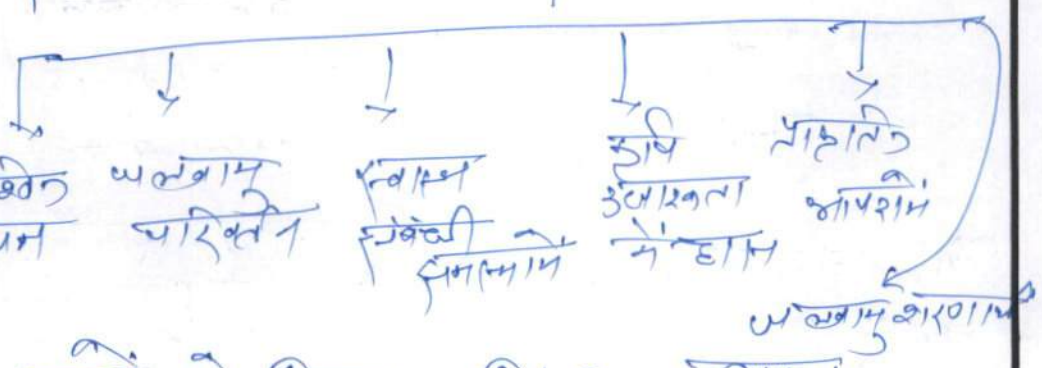

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- संसाधनों का अनुचित कार्यों हेतु उपयोग (जैसे अंतरिक्ष का शस्त्रीकरण)
- संसाधनों का असमान वितरण भुखमरी, गरीबी आदि को जन्म देता है
- संसाधनों के पर्यावरणीय उपयोग संबंधी साझा दृष्टिकोण का अभाव (जैसे आर्कटिक क्षेत्र, खुला समुद्री क्षेत्र)
- पर्यावरणीय समस्यायें (जल प्रदूषण, हवा प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, कुपोषण आदि)

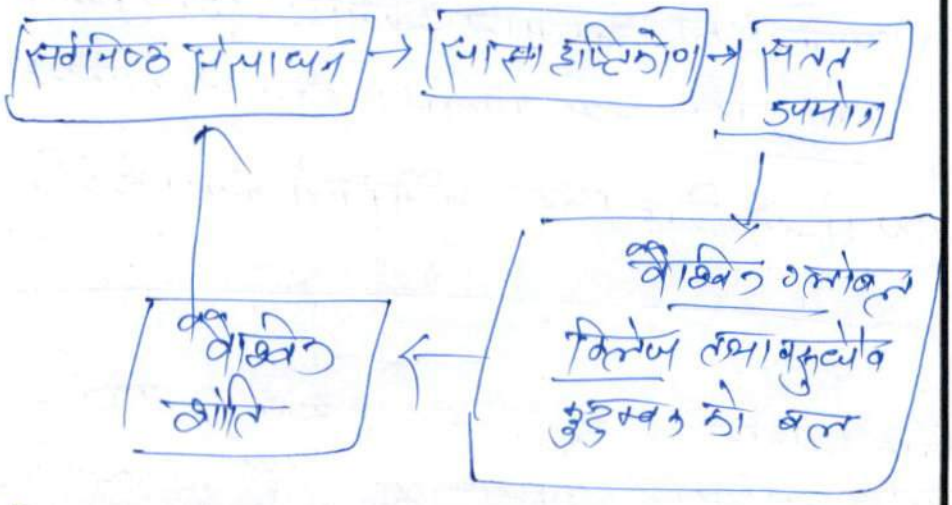

वैश्विक संसाधन सभी के कल्याण हेतु हैं इनका सतत एवं समावेशी दोहन ग्लोबल गुड की अवधारणा को साकार करता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** While a code of conduct merely establishes minimal standards of conduct, a better strategy to promote ethical work culture is through internalization of values. Discuss. **(150 words) 10**

जबकि आचार संहिता केवल आचरण के न्यूनतम मानकों को स्थापित करती है, नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मूल्यों का आंतरीकरण बेहतर रणनीति है। विवेचना कीजिए।

आचार संहिता किसी संगठन में आचरण के नियमों का समुच्चय है

यह केवल आचरण के न्यूनतम मानकों को स्थापित करती है क्योंकि यह

- संगठन में व्यवहार को निर्देशित
- कार्य संस्कृति को निर्देशित
- वरिष्ठों, अधीनस्थों, ग्राहकों आदि के प्रति व्यवहार को निर्देशित
- संगठन के उद्देश्य, काम के समय, अनुशासन आदि का विवरण

इसलिए, नैतिक कार्य संस्कृति को सत्यनिष्ठा, करुणा, निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता जैसे नैतिक मूल्यों को स्वयं में समाहित करती है इसलिए मूल्यों का आंतरीकरण बेहतर रणनीति है।

मूल्यों के आंतरीकरण करने हेतु:-

- प्रत्येक क्षेत्र में नैतिक संहिताओं का निर्माण करना (2nd ARC)

• सिविल सेवकों में प्रशिक्षण को नैतिक मूल्यों से युक्त करना (किरण अग्रवाल समिति)

• योग, वंचित वर्गों से संपर्क आदि के माध्यम से सिविल सेवकों में भावनात्मक समझ, करुणा, आदि नैतिक मूल्यों का विकास

• अच्छा करने वाले सिविल सेवकों को पुरस्कृत करना (सिविल सेवा अवार्ड)

• सिविल सेवा बोर्ड की स्थापना, 360° मूल्यांकन आदि के माध्यम से सिविल सेवकों में राजनीतिक दबाव कम करना।

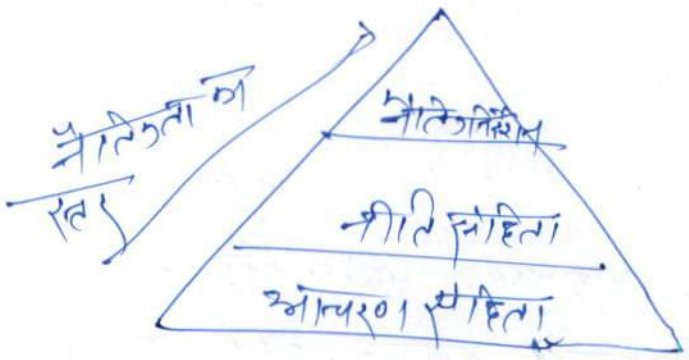

मिशन कर्मयोगी, स्पैरो, लैटरलइंट्री आदि सिविल सेवकों में नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** A state that does not have the political will and the discipline to enforce probity in governance, can not get rid of the menace of prolonged corruption. Discuss. **(150 words) 10**

वह राज्य जिसमें शासन में ईमानदारी को प्रवर्तित करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति और अनुशासन नहीं है, वह दीर्घकाल से व्याप्त भ्रष्टाचार की समस्या से छुटकारा नहीं पा सकता है। विवेचना कीजिए।

शासन में ईमानदारी एक व्यापक संकल्पना है जो शासन में संवैधानिक मूल्यों के साथ, सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठा जैसे नैतिक मूल्यों को समाहित करता है।

यदि राज्य में शासन को ईमानदारी से युक्त करने की इच्छाशक्ति नहीं तो वहाँ भ्रष्टाचार बना रहता है क्योंकि :-

- शासन में केंद्रीकरण की अधिकता
- राज्य में शासन में सहभागिता तथा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का अभाव (अफ्रीकी देश)
- नीतियों का अनुचित उपयोग (2G, कोल आदि घोटाला
- लोक सेवकों में विवेकाधीन शक्तियों की अधिकता जो अक्सर जवाबदेही तथा पारदर्शिता को कम करके भ्रष्टाचार को बढ़ा सकती हैं
- शासन का जनकेन्द्रित न होकर व्यक्तिकेंद्रित

होना

• शासन में सूचनाओं का प्रकटीकरण तथा तकनीक के तत्वों का समावेशन का अभाव जिससे भ्रष्टाचार (PDS में लीकेज)

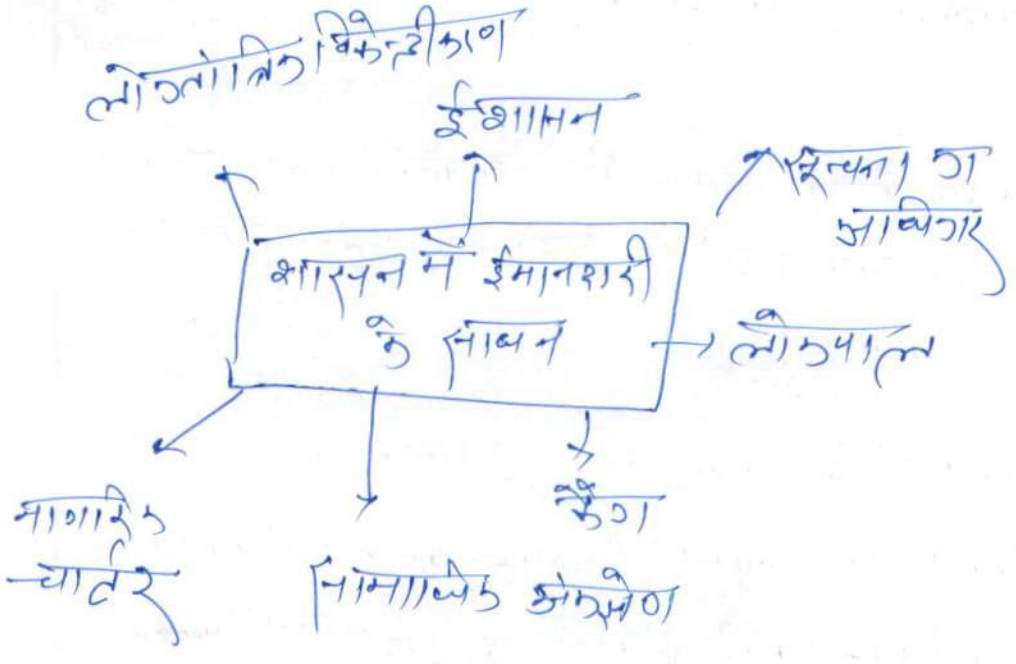

हीगल के अनुसार राज्य एक नैतिक इकाई है अतः भारतीय संविधान के अनुरूप (अनुच्छेद 38) भारत को कल्याणकारी राज्य के पथ पर चलकर भ्रष्टाचार को समाप्त करने हेतु शासन में ईमानदारी को प्रोत्साहित करना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** India cannot march successfully in to the 21st century with the administrative system having a colonial mindset. Discuss in context of the bureaucratic work culture in India. **(150 words) 10**

भारत औपनिवेशिक मानसिकता वाले प्रशासनिक तंत्र के साथ 21वीं शताब्दी में सफलतापूर्वक प्रगति नहीं कर सकता है। भारत में नौकरशाही कार्य संस्कृति के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

सरदार पटेल ने प्रशासनिक सेवा को ऐसे साधन के रूप में अपनाया था जो भारत में संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति करके कल्याणकारी राज्य की स्थापना में सहभागी होगा। हालांकि औपनिवेशिक मानसिकता वाली प्रशासनिक सेवा 21वीं शताब्दी में सफलतापूर्वक प्रगति करने में बाधक है।

भारतीय नौकरशाही कार्य संस्कृति में मुद्दे:-

→ औपनिवेशिक मानसिकता नौकरी बनाम मालिक बनाने पर बल

→ सिविल सेवकों में प्रशासनिक अभिवृत्ति का औपनिवेशिक अभिवृत्ति से अधिक होना

→ अनुच्छेद 311 जैसे प्रावधानों के कारण आर्थिक संबंधी सुरक्षा जोखिम लेने से हतोत्साहित करती है

→ सिविल सेवा के आधारभूत मूल्यों का अभाव

→ विवेकाधीन शक्तियों के कारण जवाबदेही तथा पारदर्शिता का अभाव

→ राजनीतिक दबावों में स्थानांतरण तथा पदोन्नति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के मुद्दों के होने के कारण गैरजवाबदारी जैसे मूल्यों का पतन

- कार्यों के आधार पर पदोन्नति का अभाव
- अच्छे करने वाले सिविल सेवकों को प्रोत्साहित करने वाली संस्कृति का अभाव (अशोक खेमका, प्रेमा हह, पी नरहरि)

नौकरशाही संस्कृति को सुधारने हेतु उपाय

↳ लैटरल इन्ट्री
↳ सिविल सेवा बोर्ड
↳ अनुच्छेद 311 का उन्मूलन (2nd ARC)
↳ आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण (मिशन कर्मयोगी)
↳ शासन में RTI, ई-शासन आदि को प्रोत्साहन (जैसे प्रगति, जियोटैगिंग आदि)
↳ 360° आधार पर मूल्यांकन

सिविल सेवकों का क्षमतावान होना न्यू इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूर्ण करने में सहायक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Which corporate leader has inspired you the most and what moral lessons have you learnt from their life? (150 words) 10

किस कॉर्पोरेट नेतृत्वकर्ता ने आपको सबसे अधिक प्रेरित किया है और आपने उनके जीवन से कौन-से नैतिक पाठ सीखे हैं?

कॉर्पोरेट ~~नेतृत्व~~ नेतृत्वकर्ता के रूप में रतन टाटा ने सबसे अधिक प्रेरित किया। अंतिम निर्माण इति नेता के विचार को कारपोरेट क्षेत्र में टाटा ने अच्छी तरह मूर्त रूप दिया है जैसे सामाजिक राजनीति क्षेत्र में क्रमशः बाबा आम्बेडकर तथा गांधी जी ने।

उनके जीवन से नैतिक पाठ :-

→ गांधी जी के मूल्यों को ध्यान में व्यापार में नैतिकता

→ संगठनात्मक नैतिकता को सार्वजनिक नैतिकता के साथ समायोजित

→ करुणा तथा सहानुभूति के भावों से युक्त होकर सामाजिक विकास में सहयोग ([illegible] के विकास करके)

→ संगठन में सभी हितधारकों के हितों का ध्यान रखने एक समावेशी तथा नैतिक कार्य संस्कृति का निर्माण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- जीवन में सिद्धांतों के साथ निरंतरता की सीख
- लक्ष्यों के प्रति दृढ़ता, लगन आदि का गुण
- सामाजिक क्षेत्र के साथ आर्थिक क्षेत्र में सेवाभाव तथा समर्पण का गुण

इस प्रकार रतन टाटा में कारपोरेट नेतृत्व के रूप में वो सब गुण दिखते हैं जो उन्हे माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के नेतृत्व के समान स्थान दिलाते हैं।

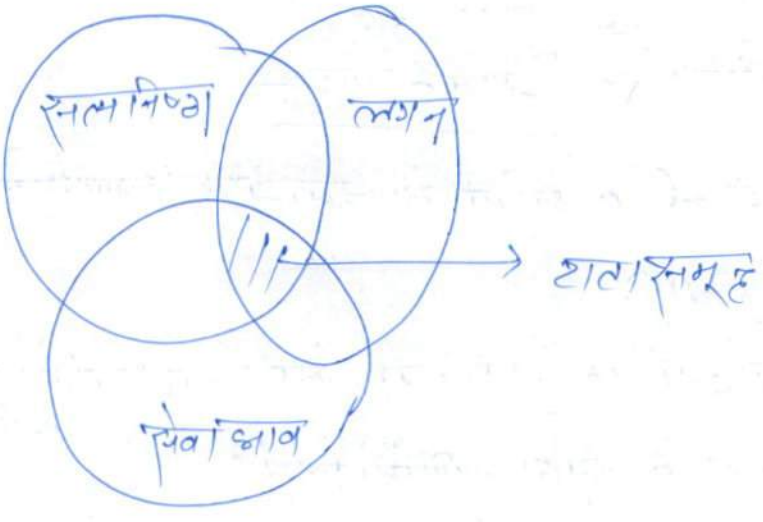

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Increasing participation of people in governance and easy access to information is what transforms governance to good governance. Elaborate.
(150 words) 10

शासन में लोगों की बढ़ती भागीदारी और सूचनाओं तक सरल पहुँच ही शासन को सुशासन में परिवर्तित करते हैं। विस्तारपूर्वक बताइए।

सुशासन विश्व बैंक द्वारा दी गई अवधारणा है जो कई कारकों को सम्मिलित करता है

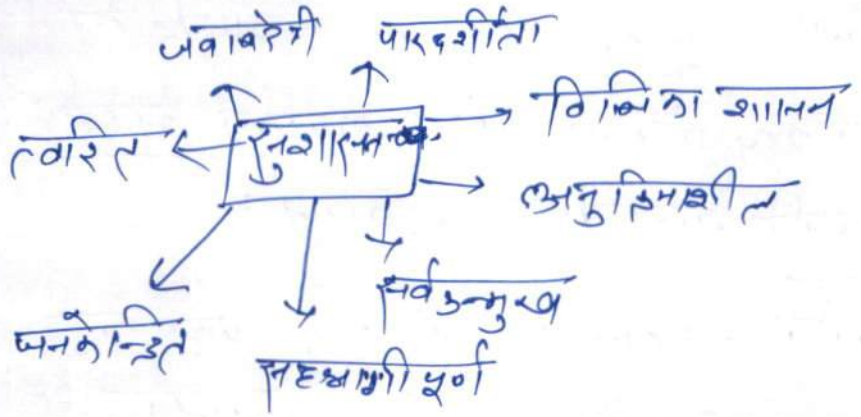

शासन में लोगों की भागीदारी और सुशासन :-

→ यह शासन में पारदर्शिता
→ शासन को जनकेन्द्रित तथा सहभागी (सामाजिक अंकेक्षण, नागरिक चार्टर आदि द्वारा)
→ शासन का विकेन्द्रीकरण (73वां और 74वां संविधान संशोधन
→ निर्धनों को लक्षित करके राज्य के कल्याणकारी राज्य (अनुच्छेद 38) के लक्ष्य की प्राप्ति

सूचनाओं तक सरल पहुंच और सुशासन :-

↳ नीतियां एवं योजनाओं की जानकारी
↳ अधिकारों के प्रति जागरूकता
↳ घोटालों का पर्दाफाश कर भ्रष्टाचार का उन्मूलन (CAG रिपोर्ट, RTI आदि के द्वारा 2G घोटाला, कोल घोटाला, आदर्श सोसाइटी घोटाला का उद्घाटन)
↳ सरकारी कामकाज की जानकारी प्राप्त कर सिविल सेवकों को जवाबदेह बनाना (जैसे RTI का प्रयोग)
↳ सामाजिक कल्याण संबंधी योजनाओं तक पहुंच (जैसे कर्नाटक के एक जिले में स्वास्थ्य सुविधा और खाद्य सुरक्षा RTI के द्वारा प्राप्त हुयी)

लोकपाल, ई-शासन, RTI, सामाजिक लेखांकन आदि सुशासन के अंग हैं (2ndARC) इसको प्रोत्साहन देना सुशासन का साधन है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. It is sometimes believed that moral scrupulousness in one's private life automatically guarantees high moral stature in professional life. Do you agree? Justify your stand with logical arguments. **(150 words) 10**

कभी-कभी यह माना जाता है कि किसी के निजी जीवन में नैतिक सत्यनिष्ठा, स्वत: ही पेशेवर जीवन में उच्च नैतिक उच्चता की गारंटी देती है। क्या आप सहमत हैं? न्यायसंगत तर्कों के माध्यम से अपने दृष्टिकोण का औचित्य सिद्ध कीजिए।

सत्यनिष्ठ से तात्पर्य मन, कर्म एवं वचन से संगत होना है। यह विचारों एवं व्यवहारों में संगतता है।

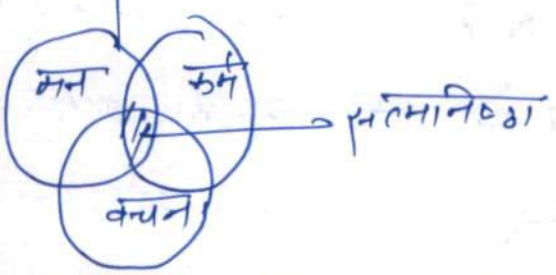

व्यक्तिगत नैतिक सत्यनिष्ठा स्वत: ही पेशेवर जीवन में उच्च नैतिक उच्चता की गारंटी नहीं

निजी सत्यनिष्ठता
⇓
स्वार्थ की कमी
⇓
सेवा भाव और समर्पण
⇓
दृढ़ता और लगन
⇓
दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा
⇓
वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता
⇓
उच्च नैतिक मूल्य

जैसे A.P.J अब्दुल कलाम, लाल बहादुर शास्त्री जैसे व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन में सत्यनिष्ठ एवं पेशेवर भी सत्यनिष्ठ।

हालांकि निजी सत्यनिष्ठा एवं पेशेवर सत्यनिष्ठा में असंगतता भी जैसे।

→ पाखण्ड के कारण वचन, मनन और व्यवहार में अंतर (कई धर्मगुरुओं द्वारा उपदेश किंतु निजी जीवन में गलत कामों में संलिप्तता)

→ धार्मिक, पारिवारिक तथा जातिगत मूल्यों के कारण कार्य स्थल और घर पर अलग अलग व्यवहार जैसे कोई सांप्रदायिकता से युक्त द्वारा

→ सिविल सेवकों में व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा परिवार के प्रति होने पर परिवार की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु रिश्वत लेना या भ्रष्टाचार करना।

अतः निजी ~~[illegible]~~ सत्यनिष्ठा के साथ आचरण संहिता, नैतिक संहिता आदि के द्वारा पेशेवर ~~[illegible]~~ सत्यनिष्ठा को भी प्रोत्साहित करना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are working as a District Magistrate in an aspirational district where women literacy and sex ratio is one of the lowest in the country. It is brought to your notice that a woman who has been elected as 'Sarpanch' on a seat reserved for women candidates in a panchayat in your district is head 'only on the paper'. All the work related to the panchayat is actually carried out by her husband. Even the flag hoisting ceremony on Independence Day is carried out by her husband. However, her husband happens to be a good administrator as indicated by that panchayat's performance on various developmental parameters as compared to other panchayats in the district. Also, her husband enjoys the support of the local people. Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders and issues involved in this case?

(b) What options are available to you as the District Magistrate in such a scenario? Also, evaluate each option and indicate what option will you choose. **(20)**

आप एक आकांक्षी जिले में जिलाधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं जहां महिला साक्षरता और लिंगानुपात देश में सबसे कम में से एक है। आपके ध्यान में यह बात लाई जाती है कि आपके जिले की एक पंचायत में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीट पर 'सरपंच' के रूप में चुनी गई एक महिला केवल 'कागजों पर ही सरपंच' हैं। पंचायत से संबंधित सभी कार्य वास्तव में उनके पति द्वारा संपन्न किए जाते हैं। यहां तक कि स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता भी उनके पति द्वारा की जाती है। हालांकि, जिले की अन्य पंचायतों की तुलना में विभिन्न विकास मापदंडों पर पंचायत के प्रदर्शन से मिलने वाले संकेतों से पता चलता है उनके पति एक अच्छे प्रशासक हैं। साथ ही, उनके पति को स्थानीय लोगों का समर्थन भी प्राप्त है।

उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस मामले में सम्मिलित हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए?

(b) ऐसे परिदृश्य में जिलाधिकारी के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? साथ ही, प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और इंगित कीजिए कि आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे।

73वें संविधान संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 243D के महिलाओं को स्थानीय निकायों में आरक्षण प्रदान किया। महिलाओं की स्थानीय शासन में भागीदारी 43% है। फिर भी सरपंचपति की समस्या व्याप्त है जो उपर्युक्त मामले में भी

दिखती है।

हित धारक
- सरपंच महिला
- सरपंच महिला का पति
- जिलाधिकारी के रूप में मैं
- अन्य महिलाएं
- स्थानीय लोग
- राज्य

मुद्दे :

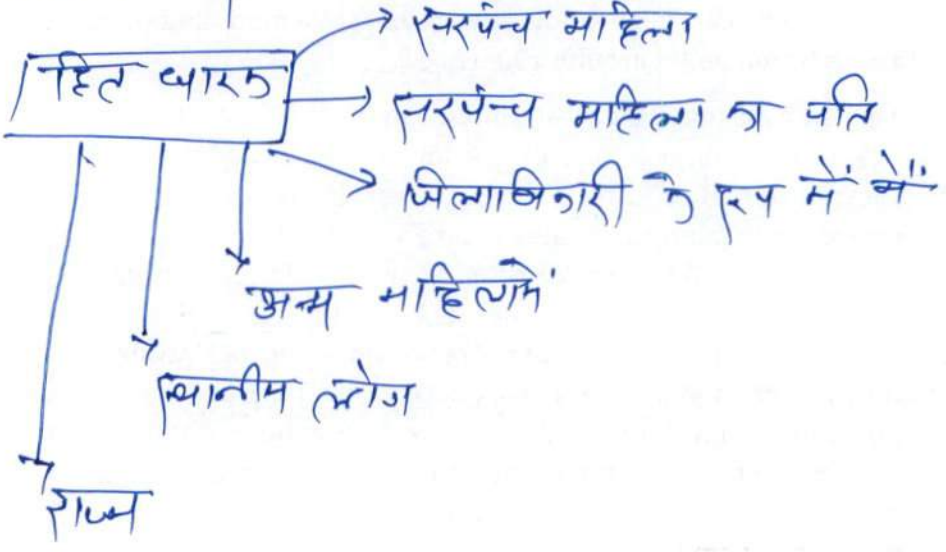

- कागजों पर ही सरपंच की अवधारणा के तहत संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति नहीं
- कानून का उल्लंघन
- महिला सरपंच में राजनीति अधिकारों को लेकर जानकारी का अभाव
- पति द्वारा स्थानीय शासन में अच्छा कार्य
- जिले का आकांक्षी होना
- लिंगानुपात तथा महिला साक्षरता की कमी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प :-

① सरपंच पति के कामों को प्रोत्साहन :-

लाभ :- • आकांक्षी जिले का विकास
• लोगों का समर्थन भी प्राप्त

हानि :- • संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति नहीं
• महिला सशक्तिकरण का उद्देश्यपूर्ण नहीं

② सरपंच पति के खिलाफ कार्यवाही :

लाभ : • कानून का उल्लंघन बंद होगा (हलफनामा ऊंचा करके जो किया गया)
• महिला सरपंच के रूप में कार्य करेगी अन्य महिलाओं को भी प्रोत्साहन

हानि :
• आकांक्षी जिले का विकास प्रभावित
• स्थानीय लोगों में असंतोष व्याप्त हो सकता है

③ सरपंच पति को बुलाकर समझाना तथा महिलाओं को जागरूक करना

लाभ : • विकास प्रभावित नहीं होगा
• महिलाओं को अधिकारों की जानकारी होगी जिससे अभिवृत्ति परिवर्तित होगी

हानि : • सरपंच पति द्वारा आगे भी महिला

सरपंच को अधिकार न देना
- कानून का उल्लंघन आगे प्रोत्साहित होगा

(4) महिला सरपंच को समझना तथा जागरूकता फैलाना :

लाभ • महिला सरपंच में राजनीतिक महिला भागीदारी
- महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य पूर्ण होगा

हानि:
- महिला की अभिवृत्ति परिवर्तित होने में समय लग सकता है
- स्थानीय शासन प्रभावित हो सकता है

मेरे द्वारा इन विकल्पों के एक समन्वयी दृष्टिकोण को अपनाते हुये निम्नलिखित कार्यवाही की जायेगी:

- दलजीत/गुड्डा के मामले की जाँच करके उसके खिलाफ कार्यवाही
- महिला सरपंच को अपने कर्मों के प्रति उत्तरदायी बनाना
- महिलाओं की अभिवृत्ति को राजनीतिक भागीदारी हेतु परिवर्तित करना

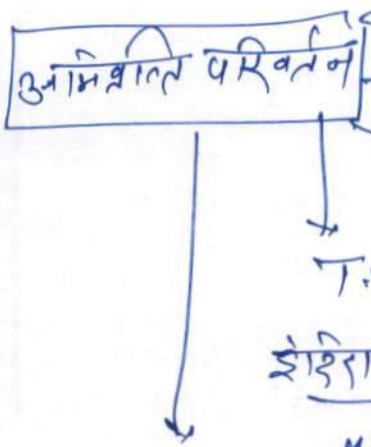

अभिवृत्ति परिवर्तन → सोशल मीडिया
→ नागरिक समाज
→ प्रतिष्ठित महिलाओं द्वारा
→ T.V वीडीयो आदि के माध्यम इंदिरा गांधी, सरोजनी नायडू जैसी महिलाओं के बारे में जागरूकता
→ महिलाओं में आत्मविश्वास जगाने हेतु नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखला आदि का प्रयोग

- स्थानीय शासन तक वित्त, क्षमता निर्माण, तकनीक आदि की पहुंच सुनिश्चित कर दक्षता बढ़ाना
- बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, लिंग जांच निषेध अधिनियम 1994 आदि के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन कर लिंगानुपात बढ़ाना
- सबला योजना, सर्वशिक्षा अभियान, आदि के माध्यम से महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करना

महिला सशक्तिकरण जहां समावेशी विकास में सहायक है वहीं नैतिक शासन का भी साधन है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. The issues confronting humanity are multifaceted - from political conflicts and human rights abuses to pandemics and climate change. They are not contained within national borders, nor do they fit into the silos of separate government agencies or academic specialties. What is required is greater international cooperation, mutual respect, abiding by international laws and participative global decision-making. However, over the last decade, it has been observed that international relations have overshadowed these basic tenets of global governance and now we are at the verge of serious global catastrophic risks. When it comes to the structures of global governance, business as usual, is no longer an option. Not only an improvement in our understanding of risks is required but also taking responsibility to lead collective action for a coordinated global response.

(a) What do you think are the factors hindering collective actions?

(b) Provide a case for the moral obligation of the international community to come together and find solutions to the problems we face.

(c) What should be the principles guiding such international cooperation?

(20)

मानवता के सामने राजनीतिक संघर्षों और मानव अधिकारों के दुरुपयोग से लेकर महामारी और जलवायु परिवर्तन तक के बहुआयामी मुद्दे हैं। वे राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। न ही वे अलग-अलग सरकारी एजेंसियों या अकादमिक विशिष्टताओं के पृथक-पृथक निकायों में समायोजित होते हैं। इन्हें संबोधित करने के लिए अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, परस्पर सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने और मिलजुल कर वैश्विक निर्णय लेने की आवश्यकता है। हालांकि, पिछले एक दशक में, यह देखा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों ने वैश्विक शासन के इन मूलभूत सिद्धांतों को नेपथ्य में धकेल दिया है और अब हम गंभीर वैश्विक विनाशकारी जोखिमों की अंतिम सीमाओं पर पहुंच गए हैं। जब वैश्विक शासन की संरचनाओं की बात आती है, तो हमेशा की तरह व्यापार करते रहना, अब कोई विकल्प नहीं है। न केवल जोखिमों के विषय में हमारी समझ में सुधार किए जाने, अपितु समन्वित वैश्विक अनुक्रिया के लिए सामूहिक कार्रवाई का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी लिए जाने की भी आवश्यकता है।

(a) आपके विचार से सामूहिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं?

(b) अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एकजुट होने और हमारे द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के समाधान निकालने हेतु नैतिक दायित्व का औचित्य सिद्ध करने हेतु प्रकरण प्रस्तुत कीजिए?

(c) इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु दिशा-निर्देशक सिद्धांत क्या होने चाहिए?

वैश्विक समुदाय राजनीतिक संघर्षों (पश्चिम एशिया), मानवाधिकारों का हनन (शरणार्थी समस्या), महामारी (कोविड-19) तथा जलवायु परिवर्तनके दुष्प्रभावों (IPCC रिपोर्ट) से ग्रस्त है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) सामूहित कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वाले :-

- राजनीतिक हितों में संघर्ष:
  जैसे अमेरिका का पश्चिम एशिया में चीन से अलग हित।
- आर्थिक हितों को बल:
  जैसे चीन द्वारा दक्षिण-चीन सागर में बढ़ती दावेदारी हाइड्रोकार्बन, खनिज तेल आदि के कारण
- वैचारिक मतभेद:
  जैसे एकीवाद तथा समाजवाद का मुद्दा
- संरक्षणवाद:-
  जैसे अमेरिका फर्स्ट, मुद्दे
- वैश्विक संस्थाओं का समावेशी न होना:-
  जैसे WTO, संयुक्त राष्ट्र, WHO आदि संगठनों के राजनीतिकरण होने का आरोप लगा है।

(b) प्रकरण: [redacted] मध्य एशिया में व्याप्त संघर्ष न केवल मध्य एशिया से प्रभावित है अपितु यह संगठित अपराध जैसे हथियार तस्करी, मानव तस्करी, नशीली दवाओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रवाओं के द्वारा वैश्विक स्तर को प्रभावित।

इसी प्रकार जलवायु परिवर्तन की घटना सम्पूर्ण विश्व को वर्षा प्रतिरूप में परिवर्तन, रोगों में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन शरणार्थी की आदि की समस्याओं द्वारा संकट में डाल रहा।

ऐसे वैश्विक समुदाय को एक होकर इन समस्याओं को संयुक्तराष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद्, पेरिस समझौते, मानवाधिकार परिषद आदि के माध्यम से हल करना चाहिये।

ⓒ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु दिशा निर्देश:-

- मानवाधिकारों की सुरक्षा एवं रक्षा
- सभी को साथ समझना (कांट) (जैसे मेडिकल टूरिज्म जैसी गतिविधियों के क्रम में)
- सभी तक स्वास्थ्य, शिक्षा, जैसी आधारभूत

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवश्यकताओं की शर्तें

- कामन गुड के लिये वैश्विक संसाधनों का शांतिपूर्ण सहज तथा सतत दोहन (जैसे समुद्री संसाधन, अंतरिक्ष संसाधन)
- परमाणु अप्रसार संधि, CTBT के प्रावधानों को समावेशी बनाकर परमाणु निरस्त्रीकरण को बढ़ावा
- वैश्विक संस्थाओं में सुधार करके उन्हें समावेशी बनाना
- दूसरे देशों की संप्रभुता में हस्तक्षेप नहीं
- आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या के प्रति एकजुट होना (FATF, CCIT, आदि के प्रति सक्रिय)
- तकनीक का हस्तांतरण समावेशी बनाकर विकासशील तथा अविकसित देशों को विकास की धारा में सम्मिलित करना।
- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने हेतु पेरिस, बान आदि समझौते के प्रति

उत्तरदायी होना।

भारत के "वसुधैव कुटुम्बकम्" जैसे सिद्धान्त को वैश्विक समुदाय केंद्र में रखकर प्रस्तुत विभिन्न ~~वै~~ वैश्विक समस्याओं का हल प्राप्त कर सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are posted as Superintendent of Police in a district. A case has come up in which more than 30 girls were allegedly raped and sexually exploited at the city shelter home run by an NGO. The scandal came to light when media flagged complaints of sexual abuse of inmates of the city shelter home. A nexus of police, politicians, administration and criminals have been allegedly responsible for the racket going on for the last few years. In light of this, a lot of protests have erupted across the city.

While, on one hand, media glare has meant that people are demanding swift action, you have been asked to go slow in investigating the case by top officers in your department. Elections in the state are due in a few months, so it has become a politically sensitive issue. You are also under immense political pressure from the ruling party to not take strict action and make compromises to cover up the case.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the issues involved in the case.

(b) What are the options available to you? Which of these options will you choose? Justify your stand with logical arguments. **(20)**

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त हैं। एक मामला सामने आया है जिसमें एक गैर सरकारी संगठन द्वारा चलाए जा रहे नगर आश्रय गृह (सिटी शेल्टर होम) में 30 से अधिक लड़कियों के साथ कथित रूप से बलात्कार और यौन शोषण किया गया। यह मामला तब सामने आया जब मीडिया ने शहर के आश्रय गृह में अंतेवासियों के यौन शोषण की शिकायतों को उजागर किया। पिछले कुछ वर्षों से चल रहे इस रैकेट के लिए कथित तौर पर पुलिस, राजनेताओं, प्रशासन और अपराधियों की सांठगांठ जिम्मेदार है। इसकी जानकारी मिलने पर संपूर्ण शहर में अनेक विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

हालांकि, एक ओर मीडिया के द्वारा इस बात को अधिक से अधिक उछाले जाने का अर्थ यह है कि लोग इस मामले में तत्परतापूर्वक कार्यवाही करने की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर, आपके विभाग में उच्च अधिकारियों द्वारा आपसे इस मामले की जांच पड़ताल में धीमी गति बनाए रखने के लिए कहा गया है। कुछ ही महीनों में राज्य में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यह राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामला बन गया है। आप पर भी सत्ताधारी दल की ओर से कड़ी कार्रवाई नहीं करने और मामले को दबा देने के लिए समझौता करवाने का दबाव है।

इन परिस्थितियों में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रकरण में शामिल मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इन विकल्पों में से किसका चुनाव करेंगे? इस विषय में अपनी ओर से लिए जाने वाले निर्णय का औचित्य सिद्ध कीजिए।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के अनुसार भारत में 6 लाख से अधिक NGO कार्यरत हैं जिनमें से 50% से अधिक अपनी वित्तीय स्रोतों की जानकारी नहीं देते।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितधारक:

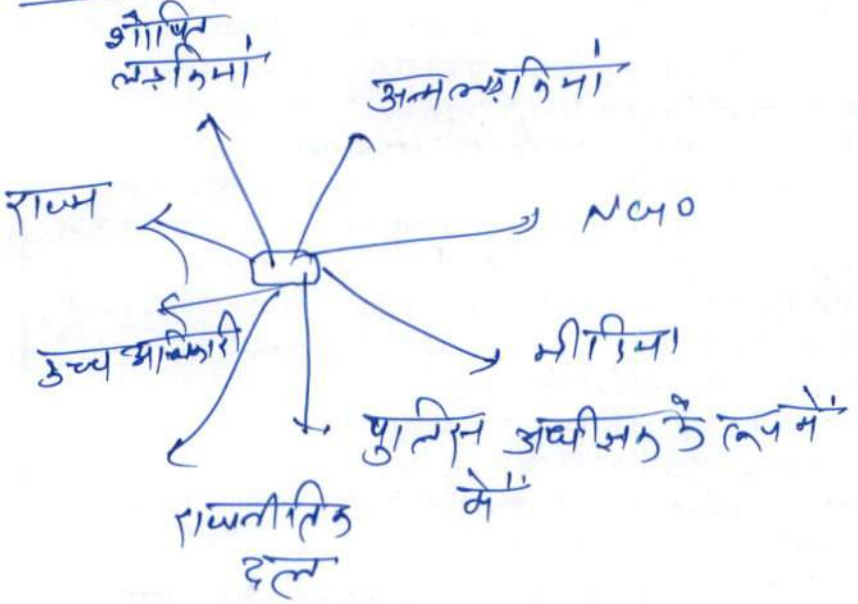

③ प्रकरण में सम्मिलित मुद्दे:

- NGO द्वारा लड़कियों का शोषण
- अनुच्छेद 14, 19 तथा 21 के तहत प्राप्त लड़कियों के मूलाधिकारों का हनन
- वादिलाओं के शोषण में राजनेताओं, प्रशासन तथा अपराधियों की संलिप्तता
- मीडिया द्वारा आचरण नियमों का पालन न करना तथा असंवेदनशील पत्रकारिता
- उच्च अधिकारी द्वारा मुख पर की गयी कार्यवाही न करने का दबाव (आचरण नियमावली 1964 के विपरीत)
- राजनीतिक दलों का दबाव (गैरसरकारी के रूप में)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के विपरीत।

विकल्प :

(1) मामले को दबा देने के लिये समझौता

लाभ	हानि
• राजनीतिक दल तथा उच्चाधिकारी से सहज संबंध • पदोन्नति, स्थानांतरण आदि के रूप में कठोर कार्यवाही से बच सकता है	• यह मेरी सत्यनिष्ठा से समझौता होगा • मामले के उजागर होने पर मेरे खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है

(2) निष्पक्ष कार्यवाही करना

लाभ	हानि
• कानून का शासन लागू होगा दोषियों को सजा मिलेगी • लड़कियों को न्याय मिलेगा	• राजनीतिक दल द्वारा मेरे प्रति द्वेषपूर्ण कार्यवाही (जैसे अशोक खेमका 27 साल में 53 स्थानांतरण) • उच्च अधिकारियों द्वारा मेरे खिलाफ कार्यवाही

(3) उच्च अधिकारी को समझाना !

लाभ	हानि
• उन्हें कार्यवाही हेतु राजी करना	• जरूरी नहीं कि वे मान जाएं

लाभ	हानि
• उनके सहयोग से मामले में कार्यवाही	• यह कार्यवाही में देरी ला सकती है

(4) मामले को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँचाना

लाभ	हानि
• वरिष्ठों का सहयोग	• कर्तव्य से विमुख होना होगा
• उच्च अधिकारी के दबाव से सुरक्षा	• वरिष्ठों द्वारा उच्च अधिकारी का ही पक्ष लेने की संभावना

इन सभी विकल्पों को ध्यान में रखकर कार्यवाही तथा उसका औचित्य:-

• उच्च अधिकारी की अभिव्यक्ति परिवर्तित करने का प्रयास की आगे मामले की जानकारी होने पर उनके खिलाफ भी कार्यवाही हो सकती है

• मामले की निष्पक्ष जाँच

• दोषियों के खिलाफ विदेशी अंशदान अधिनियम 2010, मानव तस्करी रोकथाम अधिनियम आदि के तहत कार्यवाही

• राजनेताओं, प्रशासन, तथा अपराधियों की सांठगांठ की रिपोर्टिंग तथा उस रिपोर्ट को सक्षम अधिकारी तक पहुँचाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पीड़ित लड़कियों का वनस्टाप सेंटर, स्वधार जैसी पहलों के तहत पुनर्वास
- उन्हें कुशलता प्रदान करके संबंधित जिलाधिकारी की सहायता से स्वयं सहायता समूहों के तहत एकत्रित करके शिक्षा तथा रोजगार के अवसर
- जिले के अन्य NGO की जिलाधिकारी के सहयोग से प्रभावी निगरानी

आगे की राह:

- NGO की सही-समय पर रिपोर्टिंग
- वहां मानवाधिकारों की टीम द्वारा समय समय पर निरीक्षण
- दोषियों को सजा हेतु फास्ट ट्रैक कोर्ट जिससे महिलाओं संबंधी अपराध कम हो।
- राजनीति तथा अपराध की गठजोड़ कम करने हेतु आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा (इन्द्रजीत गुप्ता समिति)
- सिविल सेवकों पर राजनीतिक दबाव कम करने हेतु सिविल सेवा बोर्ड, नैतिक संहिता आदि का निर्माण (2nd ARC)

इस प्रकार इस मुद्दे का हल किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Being the senior-most IAS officer, you are in line to be promoted as Chief Secretary after the incumbent retires in the next two months. Currently, you are heading the Public Works Department (PWD) and a road construction project worth crores has been opened for tender. A company X belonging to the son-in-law of the incumbent Chief Minister has also applied for the same. The director in charge of the screening process, a young IAS officer, has reported that company Y and the state PSU have submitted the best bids. Both you and the director are facing political pressure to favour the company X. The young IAS officer may be demoralised if you give in to the pressure. But if you don't give in then he may be transferred and your chances of promotion may also suffer. In light of the situation, answer the following:

(a) Discuss the ethical issues faced by you in the given case.

(b) What are the options available to you? Which of these options will you choose? Justify your stand with logical arguments. **(20)**

वरिष्ठतम आईएएस अधिकारी होने के नाते, आप अगले 2 महीनों में पदासीन मुख्य सचिव के सेवानिवृत्त होने के बाद मुख्य सचिव के रूप में पदोन्नत होने वाले हैं। वर्तमान में, आप लोक निर्माण विभाग (PWD) के प्रमुख हैं और करोड़ों की लागत वाली सड़क निर्माण परियोजना के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। वर्तमान मुख्यमंत्री के दामाद से संबंधित एक कंपनी X ने भी इसके लिए आवेदन किया है। स्क्रीनिंग प्रक्रिया के प्रभारी निदेशक, एक युवा आईएएस अधिकारी ने यह रिपोर्ट दी है कि कंपनी Y और राज्य सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम (PSU) ने सर्वश्रेष्ठ बोलियां प्रस्तुत की हैं। आप और निर्देशक दोनों को ही कंपनी X का पक्ष लेने के लिए राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। यदि आप इस दबाव के सामने हार मान लेते हैं तो युवा आईएएस अधिकारी का मनोबल गिर सकता है। लेकिन यदि आप उनके दबाव के सामने हार नहीं मानते हैं तो उस युवा अधिकारी का स्थानांतरण किया जा सकता है और इसके कारण आपकी पदोन्नति भी प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति को देखते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिए गए प्रकरण में आपको किन मुद्दों का का सामना करना पड़ रहा है, उसकी विवेचना कीजिए?

(b) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से कौन-सा विकल्प चुनेंगे? उपयुक्त तर्कों से अपने निर्णय का औचित्य सिद्ध कीजिए।

होता, बासवन आदि समितियों के साथ द्वितीय प्रशासनिक आयोग ने भी राजनीतिक दबावों को सिविल सेवकों पर भ्रष्टाचार का एक मुख्य कारण माना है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुद्दे:

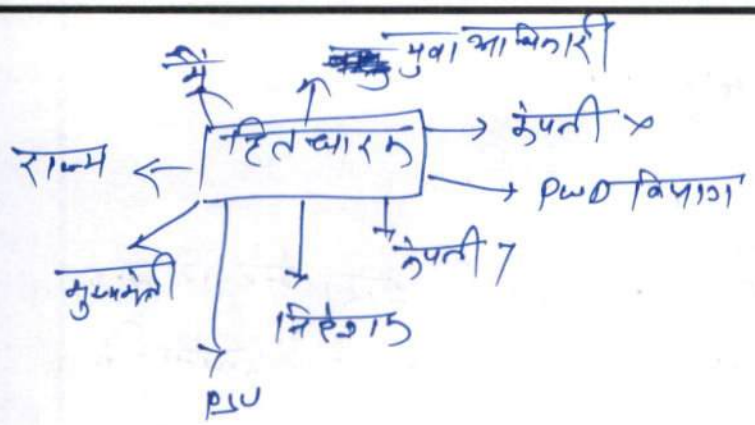

- कंपनी x का पक्ष लेने का दबाव जो निष्पक्षता तथा वस्तुनिष्ठता के मूल्य का उल्लंघन
- युवा अधिकारी द्वारा कंपनी y को अनुचित बताना जो दक्षता के साथ राजनीतिक रिश्ते में भी सहायक
- युवा अधिकारी के स्थानान्तरण का मुद्दा
- निविदा का निष्पक्ष न होने की समस्या की संभावना

(b) विकल्प

- कंपनी x को निविदा की अनुमति

लाभ	हानि
• मुख्यमंत्री के साथ अच्छे संबंध • मेरे प्रति राजनीतिक कार्यवाही नहीं	• मेरे सत्यनिष्ठा से समझौता • युवा अधिकारी का मनोबल टूटेगा जो उसकी सेवा भावना को हतोत्साहित करेगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) कंपनी y को अनुमति

लाभ	हानि
• क्षमता युक्त बोली	• मुख्यमंत्री द्वारा मेरे खिलाफ राजनीतिक द्वेष में कार्यवाही
• उच्च राजकोषीय आय	• युवा अधिकारी का स्थानांतरण
• युवा अधिकारी से दृढ़ता, लगन तथा समर्पण का भाव	

(c) मैं बोली प्रक्रिया से हट जाऊँ

लाभ	हानि
• राजनीतिक कार्यवाही से सुरक्षा	• अपने कर्तव्य से पलायन
•	• अपने उत्तरदायित्व से विमुख होना तथा सिविल सेवा के साहस जैसे मूल्यों से दूर होना

मेरे द्वारा कार्यवाही:

• कंपनी x को कंपनी y के समान ~~बोली~~ बोली लगाने हेतु सलाह

• निष्पक्ष होकर उचित बोली लगाने वाली

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कंपनी को ही निविदा

- युवा अधिकारी को उसके इस साहसिक निर्णय के प्रति प्रोत्साहन जिससे उसका मनोबल ऊँचा हो
- युवा अधिकारी का स्थानांतरण एवं पदोन्नति में बाधा न हो इसलिये वरिष्ठों तक उसके कार्यों की जानकारी

आगे की राह:

- निविदाओं को अधिक से अधिक गोपनीय बनाना
- तकनीक का प्रयोग (जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता) कर निविदा के अनुमोदन में मानवीय हस्तक्षेप कम करना (जैसे फेसलेस टैक्स प्रणाली में किया जा रहा।
- सिविल सेवकों को राजनीतिक दबावों से मुक्त करने हेतु:
  - सिविल सेवा बोर्ड का गठन
  - इनका बाहरी संस्था द्वारा 360° मूल्यांकन
  - मंत्रियों हेतु नैतिक संहिता का निर्माण (2nd ARC)
  - राजनीति में स्वच्छता लाने हेतु काले धन का उन्मूलन, आंतरिक लोकतंत्र आदि को प्रोत्साहन

• किरण अग्रवाल समिति के अनुरूप सिविल सेवकों का परीक्षण
• अच्छा करने वाले सिविल सेवकों को प्रोत्साहन (सिविल सेवा अवार्ड)

भारत को सुशासन के सपने को प्राप्त करने तथा कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मूर्त रूप देने हेतु सिविल सेवकों की जवाबदेही तथा दक्ष बनाना एवं उन्हें राजनीतिक प्रभावों से मुक्त रखना आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. As the head of the Special Purpose Vehicle (SPV), you are tasked to complete the construction of a power plant. The project needs to be completed expeditiously to fulfil the promise made by the government to ensure access to power for all. The selected site is in a remote area and is ideal for plant construction. However, the project would require relocation of the people living in the vicinity. Initially, the local community objected to disruption in their lives but were convinced later about the economic benefits that would accrue to the region through this plant. The project had started gathering pace, but recently a local NGO working for environment protection got involved with the local community regarding the issue. And now the local community has started protesting against any developmental activity in the region.

As the officer-in-charge for the speedy execution of the project, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What course of action will you take and why? **(20)**

विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) के प्रमुख के रूप में, आपको एक विद्युत संयंत्र का निर्माण पूरा करने का काम सौंपा जाता है। सभी के लिए विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा किए गए वादे को पूरा करने लिए परियोजना को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता है। चयनित स्थल एक दूरस्थ क्षेत्र में है और संयंत्र निर्माण के लिए आदर्श है। हालांकि, इस परियोजना के लिए निकटवर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों को स्थानांतरित करने की आवश्यकता होगी। प्रारंभ में, स्थानीय समुदाय ने इससे उनके जीवन में पड़ने वाले व्यवधान पर आपत्ति जताई, लेकिन बाद में उन्हें इस संयंत्र के माध्यम से क्षेत्र को होने वाले आर्थिक लाभों के विषय में आश्वस्त किया गया। इस परियोजना ने गति प्राप्त करना प्रारम्भ कर दिया था, लेकिन हाल ही में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन ने इस मुद्दे के विषय में स्थानीय समुदाय के साथ सहभागिता करके कार्य करना आरंभ कर दिया। और अब स्थानीय समुदाय ने क्षेत्र में किसी भी विकासात्मक गतिविधि का विरोध करना प्रारम्भ कर दिया है।

परियोजना के त्वरित निष्पादन हेतु प्रभारी अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित मुद्दे क्या हैं?

(b) आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों?

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकास हेतु बांधों का निर्माण, ऊर्जा की उत्पत्ति आदि आवश्यक है किंतु यह पुनर्वास, विस्थापन आदि के कारण विरोध का ~~सामना~~ सामना करती है (नर्मदा बचाओ आन्दोलन) इस मुद्दे में की यह बात निहित है।

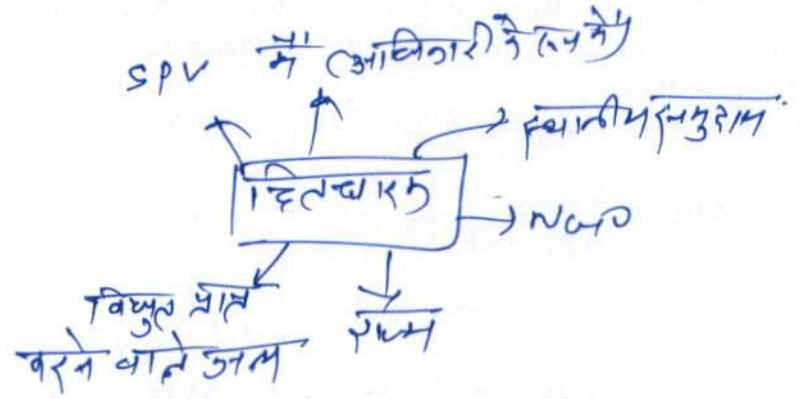

④ प्रकरण में मुद्दे:

- ऊर्जा उत्पादन हेतु संयंत्र की आवश्यकता
- स्थानीय लोगों को रोजगार की साथ ही अन्य लाभ
- NGO की सहायता से स्थानीय लोगों द्वारा संयंत्र की स्थापना से उत्पन्न होने वाले नकारात्मक प्रभावों के प्रति विरोध प्रदर्शन
- SPV अधिकारी के रूप में विद्युत संयंत्र के सुचारू संचालन की मेरी जिम्मेदारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) कार्यवाही:

- NGO तथा स्थानीय लोगों से बातचीत
- उनकी समस्याओं को सुनकर उनका प्रभावी निवारण करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करना
- प्रभावित लोगों जिनका स्थानांतरण हो रहा उनके लिये उचित आवास की उपलब्धता
- उन्हे आजीविका के साधन प्राप्त हो सके इसके लिये स्थानीय जिलाधिकारी के सहयोग से मुद्रा योजना, स्टार्ट अप आदि द्वारा सस्ता ऋण साथ ही दयाल उपाध्याय योजना द्वारा उनका कौशल विकास
- स्थानीय लोगों को विद्युत संयंत्र के तहत प्राप्त लाभों का कुछ हिस्सा उपलब्ध कराना (CSR के तहत)
- स्थानीय समुदाय का सामाजिक-आर्थिक विकास करने हेतु विद्युत संयंत्र के लाभ का कुछ अंश व्यय
- स्थानीय शासन, NGO, मीडिया आदि के

माध्यम से विद्युत संयंत्र से उत्पन्न होने वाले लाभों के बारे में जागरूकता

• शिकायत निवारण हेतु तंत्र का गठन

आगे की राह:

• ऐसे संयंत्रों की स्थापना को पर्यावरण मूल्यांकन प्रभाव (EIA) के तहत विस्तृत जाँच परख कर आगे बढ़ाना

• स्थानीय प्रभावित लोगों की सहभागिता तथा उनके हितों का ध्यान

• उनकी आर्थिक-सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्वास

• विकास का लाभ उन्हें भी देना

• पारिस्थितिक ह्रास के क्रम में पैसा फंड में क्षतिपूर्ति को देना

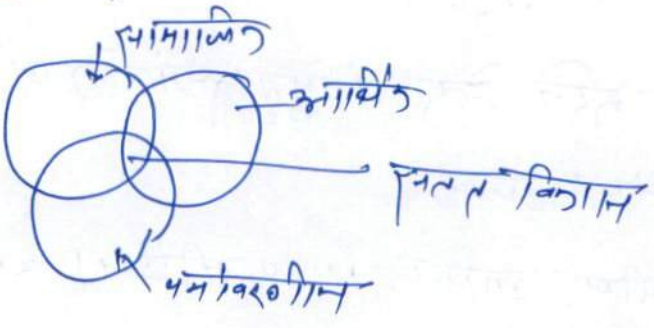

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकास को सतत तथा समावेशी बनाने हेतु सभी के हितों को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Genetic editing has several applications with its potential to edit the genomes of both somatic and germ cells. This allows for the ability to not only cure genetic diseases but to edit the characteristics of future offspring. The last few years have seen the development of several efficient, more precise genetic engineering techniques.
However, with growing sophistication, various issues of bioethics have also have come to the forefront.
(a) Discuss the ethical considerations associated with genome editing.
(b) In the light of these ethical issues, provide an ethical framework on how this technology can be used for the betterment of humanity. **(20)**

जेनेटिक एडिटिंग में कायिक-कोशिकाओं और जनन-कोशिकाओं दोनों के जीनोम को संपादित करने की क्षमता से युक्त कई अनुप्रयोग हैं। इससे न केवल आनुवंशिक रोगों का उपचार करने बल्कि भावी संतानों के लक्षणों को भी संपादित करने की क्षमता प्राप्त होती है। पिछले कुछ वर्षों में कई कुशल, अधिक सटीक जेनेटिक इंजीनियरिंग तकनीकों का विकास होते देखा गया है।

(a) जीनोम एडिटिंग से संबंधित नैतिक चिंताओं की विवेचना कीजिए।
(b) इन नैतिक मुद्दों के आलोक में, मानवता के कल्याण के लिए इस प्रौद्योगिकी का उपयोग की जाने की कार्यप्रणाली का नैतिक ढांचा प्रदान कीजिए।

जीनोम एडिटिंग जीनोम के हिस्से में परिवर्तन है। क्रिस्पर कैस 9 की खोज के बाद यह प्रक्रिया और आसान हो गयी है।

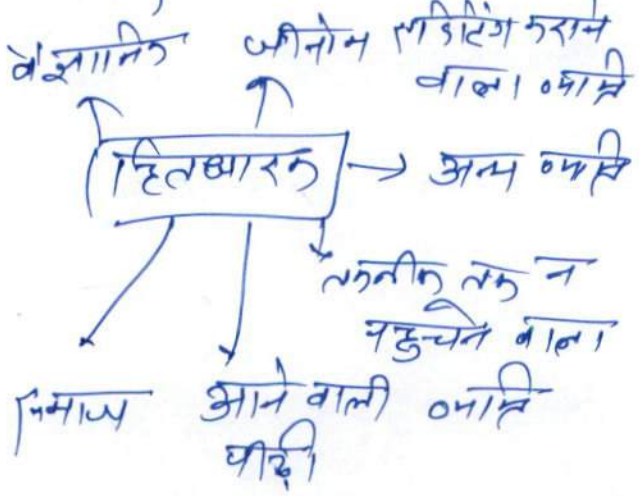

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(9) जीनोम एडिटिंग से संबंधित नैतिक मुद्दे :-

→ यह प्रकृति के नियमों में हस्तक्षेप
→ यह आने वाली पीढ़ी को प्रभावित
→ डिजाइनर बेबी जैसी अवधारणा नस्लीय भेदभाव को प्रोत्साहित कर सकती है
→ जिन लोगों तक इस तकनीक की पहुंच नहीं उनको भेदभाव का शिकार
→ जनन कोशिकाओं की एडिटिंग भ्रूण संरचना में परिवर्तन जो आगे पीढ़ियों को प्रभावित
→ यह अपराधिक वृत्ति के लोगों द्वारा प्रयुक्त की जा सकती है
→ अभी भी विकास के चरण में
→ यह पशुओं के खिलाफ क्रूरता को बढ़ा सकता है
→ विकासशील देशों को प्रभावित कर सकता है

(5) नैतिक ढांचा:

→ उपयोग आनुवांशिक विकारों के लिए हो
→ चरणों में उपयोग करके सफलता का पूर्ण प्रभाव स्पष्ट करना
→ शामिल संबंधी नियमों की स्पष्टता
→ सभी के हितों का ध्यान
→ भ्रूण संरचना में विकारों को दूर करने के अतिरिक्त अन्य हस्तक्षेप पर रोक
→ WHO जैसी वैश्विक संस्था की निगरानी में विकास तथा उपयोग
→ तकनीक के बारे में जागरूकता
→ सभी तक पहुंच हो समावेशी तकनीक का हस्तांतरण
→ देशों द्वारा इनके चिकित्सकीय प्रयोग को समावेशी बनाने हेतु स्पष्ट दिशा निर्देश (भारत में जारी)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ दुरुपयोग पर रोक का प्रावधान

तकनीक मानवता को प्राप्त अमूल्य तोहफा है जिसका उपयोग मानव कल्याण के लिये होना चाहिये — डा० A.P.J अब्दुल कलाम

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)